



"तुम्हारे इतज़ार में"

वो दिन कब आसगी?

मेरी जिदगी पूरा करने वाली वो दिन?

मेहसूस करपा रही हूँ,

मेरे अंदर तेरे दिल की थड़कन।

अब पता चला मुझे

क्यूँ मैं एक स्त्री बनो।

पूरा सागर भी बूझा नहीं पासगी मेरी ध्यास

पर तुम्हारी एक मुस्कुराहट कर सकता हूँ।

पानी के बिना सागर जैसा,

तारों के बिना आसमान जैसा,

तुम्हारे बिना मैं कुछ भी नहीं।

पानी देना हूँ मुझे तुम्हें,

मेरे आशाओं के फूल हो तुम।

सिखाना हूँ मुझे तुम्हें,

अपनी खुद की गगन छूटने को।



मैं लम्बे देख सकती हूँ
कोई अगला नहीं देख सकता।
मैं लम्बे सुन सकती हूँ
कोई अगला नहीं सुन सकता।
वही तो बात है,
तुम मेरे आधे नहीं पूरे हो!

तुम्हारी जन्म सिर्फ तुम्हारी नहीं,
मेरी जन्म की तैयारी भी है।
मौसम को बदलने को कहो,
समय से ढाँडने को कहो
बाहर आने को क्या देरी है?

उन्हो ने कहा मुझसे,
मैं जब रोई वह हँसी थी।
पता है! मेरे जान,
बसंत ले आओगे तुम मेरे जीवन में।
जल्दी आओ मेरे जान
क्यू कर रहे हो माँ को इंतजार